

**मोदी ने राष्ट्रपति बाइडन को चांदी
की टेन का मॉडल उपहार में दिया**

नयी दिल्ली/ एजेंसी

देहरादून। इस साल 10 मई को शुरू हुई चार धाम यात्रा को पिछले महीने राज्य में आई आपदा के कारण रोकना पड़ा था। अब यात्रा ने फिर से रफ्तार पकड़ ली है। जैसे-जैसे प्रोसम साफ हो रहा है, श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। आपको बता दें कि सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक इस साल अब तक (21 सितंबर) 35 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चार धाम यात्रा कर चुके हैं। रिकॉर्ड के मुताबिक, ब्रदीनाथ धाम में अब तक 9,89,282 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। जबकि केदारनाथ धाम में 11,45,897 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। गंगोत्री धाम में अब तक 6 लाख 72592 श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच चुके हैं। जबकि यमुनोत्री धाम में अब तक 5 लाख 83455 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। हेमकुण्ड साहिब में भी 1,66,503 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इतना ही नहीं, अब चारधाम यात्रा पर जाने के लिए 60 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। पिछले साल 72 लाख तीर्थयात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, जबकि साल 2023 में 56 लाख तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए थे।

कार की टक्कर से पिलर
पर अटकी लड़की,
पुलिस बल मौके
पर मौजूद

नोएडा। नोएडा में एलिवेटेड रोड के पिलर पर एक लड़की फंस गई। मौके पर मौजूद पुलिस बल और भीड़ उसे रेस्क्यू करने का प्रयास कर रही है। लड़की अपनी स्कूटी से जा रही थी। नोएडा के सेक्टर-25 के सामने एलिवेटेड रोड पर उसे एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसके बाद वह पिलर पर फंस गई इसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने लड़की को देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर सेक्टर-20 थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और लड़की के रेस्क्यू का प्रयास शुरू किया। बताया जा रहा है कि स्कूटी चला रही लड़की को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी, जिससे ये घटना हुई। एलिवेटेड रोड के पिलर पर फंसी लड़की का रेस्क्यू किया जा रहा है।

सङ्क किनारे डंपर से
टकराई बोलेरो , एक ही
परिवार के चार
बोयों की मौत

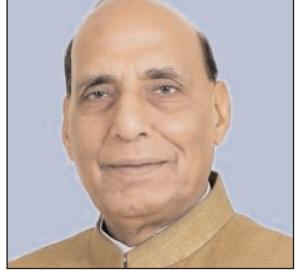
ओरैया। एरवाकटरा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत दोपहर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। नोएडा से कानपुर के कल्याणपुर जा रही एक बोलेरो गाड़ी लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे के

137.6 किलोमीटर के निकट खड़े डंपर से जा टकराई। हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौते पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान पीयूष यादव, नीता यादव, संजू उर्फ संजना और आरव के रूप में हुईं, जो सभी सूरजपुर, नोएडा के निवासी थे। यह हादसा उस समय हुआ जब बोलेरो गाड़ी हरनगरपुर के समीप अचानक खड़े डंपर से टकरा गई। टकर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, और उसमें फासे सभी यात्रियों की मौते पर ही मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही एरवाकटरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

अमेरिका ने भारत को 297 कलाकृतियां लौटाईं

राजनायं स्थ न पसा तज

**कश्मीर में लोकतंत्र को
फलता-फूलता देख
पाक को दर्द हो रहा**



C
M
Y
K

कांग्रेस-बसपा, इनेलो व आप पर बरसे योगी
हिंदुओं को चेताया, बोले
बंटोगे तो कटोगे, एक
रहोगे तो नेक रहोगे

लखनऊ/ एजेंसी

A portrait of Swami Bhaktivedanta Narayana Goswami Maharaja, a spiritual leader of the International Society for Krishna Consciousness (ISKCON). He is shown from the chest up, wearing a traditional orange sash over a white kurta. He has a shaved head and is looking slightly to his right with a gentle smile.

विदेशों में सिखों को गाली देते हैं राहुल गांधी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने तीसरी जनसभा में असंघ विधानसभा क्षेत्र से योगेंद्र राणा को जिताने की अपील की। जेजेपी उम्मीदवार ने यहाँ सीएम योगी के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सीएम योगी ने कहा कि हरियाणा के लिंगानुपात को देखकर पता चलता है कि कांग्रेस शासन में यहाँ बेटी-बहनों के साथ अत्याधिक होता था। 2014 से पहले सबसे खराब स्थिति हरियाणा की थी, लेकिन आज 1000 पुरुषों पर 900 महिलाएँ हैं। करनाल में हरियाणा की पहली मेडिलन यूनिवर्सिटी खुल चुकी है। हरियाणा में खेल विश्वविद्यालय भी है। हरियाणा परिवारधार का नहीं, विकास का नया मॉडल बनना चाहिए है।

नहीं हो पाया तो इसके जिम्मेदार सेक्युलरिज्म का लबादा जोड़ने वाले दल हैं। प्रभु राम के नाम से कांग्रेस व इनेलो को परेशानी होती थी। इनका प्रयास भारत की आस्था व महापुरुष का अपमान करना था। भाजपा ने विवाद समाप्त कराए और राम मंदिर का निर्माण कराया।

दंतेवाड़ा में चार
नक्सलियों ने किया
आत्मसमर्पण

दंतेवाडा, छत्तीसगढ़ के दंतेवाडा
जिले में तोन महला नक्सलियों और एक
पुरुष नक्सली ने आत्मसमर्पण कर दिया।
इन नक्सलियों पर कुल 20 लाख रुपये
का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने
यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि
इसके साथ ही जून 2020 में शुरू किए
गए 'लोन वर्चाटू' (स्थानीय गोंडो बोली में
बोले जाने वाला शब्द, जिसका अर्थ है
अपने घर/गांव वापस लौटो) अभियान के
तहत अब तक दंतेवाडा में 872
नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया
है। पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया
कि एक दंपति समेत चार नक्सलियों ने
दंतेवाडा में विरष्ट पुलिस अधिकारियों के
समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

A group of four children are standing on a small, yellow bamboo raft in a flooded area. The water is a muddy brown color. In the background, a blue truck is partially submerged, and several pairs of legs are visible standing in the water. The children are dressed in simple clothing, and the scene conveys a sense of displacement or survival in a disaster-affected area.

जनता की अदालत में मोटी पर बरसे अरविंद के जरीवाल

लांछन के साथ नहीं जी सकता....ईमानदार लगं तो वोट देना....

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी ने रविवार को 'जनता की अदालत' का आयोजन किया। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से काम करने की वजह से पीएम मोदी ने उन्हें जेल में भिजवाया। केजरीवाल ने कहा कि पिछले दस साल से वह ईमानदारी से सरकार चला रहे थे, उन्होंने बिजली तिए इलाज मुफ्त किया, शिक्षा को उत्कृष्ट बनाया। पीएम को उनकी ईमानदारी देखकर लगाने लगा कि इनसे जीतने के लिए इनकी ईमानदारी पर हमला करना होगा, इसलिए उन्होंने आप को बैर्डमान साबित करने के लिए उनके एक-एक नेता को जेल में डाल दिया। पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने आगे कहा, 'मोदी जी ने हमारे ऊपर देश का सबसे कठोर

बेल भी नहीं मिलती लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हम सभी को बेल दे दी। मैं इस दाग के साथ नहीं जी सकतकाम करना तो दूर की बात, मैं इस दाग के साथ जी भी नहीं सकता।' उन्होंने आग कहा, 'इसलिए मैंने सोचा कि मैं जनता की अदालत में जाऊंगा। अगर मैं बेर्इमान होता तो मुफ्त विजली के लिए दिए गए तीन हजार करोड़ रुपए गबन कर लेता, महिलाओं के लिए किराया मुफ्त



नहीं बनवाता, 22 राज्यों में उनकी नहीं है, कहीं भी महिलाओं के लिए

है ? मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि केजरीवाल चोर है या केजरीवाल को जेल भेजने वाले चोर हैं जंतर-मंतर पर अपना संबोधन शुरू करते हुए केजरीवाल ने कहा, ‘आपके बीच आकर अच्छा लग रहा है। आज यहां जंतर-मंतर पर पुराने दिन याद आ गए। मुझे आज भी तारीख याद है, 4 अप्रैल 2011 का दिन था जब आजाद भारत का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन अन्ना आंदोलन सरकार हमें चैलेंज करती थी कि चुनाव लड़कर दिखाओ और जीतकर दिखाओ, चुनाव लड़ने के लिए पैसा, गुंडे, आदमी चाहिए थे और हमारे पास यह सब नहीं था। हमारे पास न पैसा था न आदमी थे न गुंडे थे, हम चुनाव कैसे लड़ते, पिर हम चुनाव लड़ लिए और जनता ने हमें जीता दिया। देश में हमने 2013 में सफित कर दिया कि ईमानदारी से चुनाव लड़े भी जा

तेरापंथ प्रोफेशनल फैरेम के कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल

जीवन में आनंद और खुशियां अपने हाथ में हैं: राज्यपाल डेका

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका रविवार को तेरापंथ प्रोफेशनल फैरेम रायपुर द्वारा 'गुड लाइफ गुड लक' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जीवन में आनंद और खुशियां अपने हाथ में हैं। कम सुविधाओं में भी खुश रहा जा सकता है। समय का प्रबंधन भी बहुत जरूरी है।

राज्यपाल रमेन डेका ने मुनि सुधाकर एवं मुनि नरेश कुमार के सानिध्य में अनुभव एवं ज्योतिष शास्त्र पर आधारित विषय प्रवचन कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए कहा कि दुनिया एक मंच है जिसमें सभी की भूमिकाएं निर्धारित हैं। जिसको निभाना है समाज के बारे में भी हमें सोचना है। समाज ने हमको क्या दिया यह न सोचकर हम समाज को क्या दे रहे हैं यह सोचें।

राज्यपाल डेका ने कहा कि हमे पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के बारे में भी जागरूक होना है। जल की बरबादी रोकें और बाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था को



बढ़ावा दे। जनसंख्या और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। वर्तमान युग में सादा जीवन बहुत मुश्किल है। हमारे लिए धन केवल उतना ही जरूरी है जितना खान-पान, बीमारी, अतिथि

सल्कार के लिए जरूरत है। अनावश्यक प्रतिस्पर्धा से बचना होगा। आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल सही तरीके से हो इस पर ध्यान देना है। उन्होंने मोबाइल के ज्यादा उपयोग को नुकसानदायक बताया।

उन्होंने कहा कि आज के समय में, जब हम डिजिटल युग में रह रहे हैं, हमें अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सोशल मीडिया, अत्यधिक प्रतिस्पर्धा, और बदलते सामाजिक मूल्यों के बीच

सही दिशा में आगे बढ़ना ही हमारी सफलता का रहस्य है। हमें नई तकनीकों और साधनों का सुधारणा करते हुए अपनी प्रतिभा और कौशल को विकसित करना चाहिए। इसके साथ ही, हमें यह चाद रखना चाहिए कि जीवन का असली सौंदर्य हमारे नैतिक मूल्यों और आत्म-संतोष में है।

राज्यपाल ने कहा कि "गुड लाइफ" एक यात्रा है, न कि गतिव्य। यह हमारे विचारों, कर्मों और रिश्तों का सम्बन्ध है। "गुड लक" हमारा साथी तब बनता है जब हम इस यात्रा में ईमानदारी, समर्पण, और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हैं। इसलिए, हमें अच्छे कर्म करें, सही दिशा में आगे बढ़ें, और आपका सौंधाय स्वयं आपके साथ होगा।

इस अवसर पर आचार्य सुधाकर मुनि ने भी जीवन से जुड़े अपने विचार रखे। विषय प्रतिक्रिया का सम्बन्ध एवं जैन समुदाय देखते हैं। इसलिए, एशियन पेंट्स का लक्ष्य इन दूरदर्शी कहानियों की मदद से ग्रामीण भारत के समुदायों की कहानियाँ दिखाकर ग्रामीण ऑडियंस से जुड़ा है और इस बात पर ध्यान दिलाना है कि ये समुदाय देख की प्रगति में कैसे योगदान देते हैं। एशियन पेंट्स के 'प्रगति के रंग' में चार यूट्यूब क्रिएटर्स की साथ मिलकर एक स्थानीय अखाड़े को पिंप से एक नया रूप देकर इसकी दीवारों को युवा पहलवानों के सपनों को दिखाने वाले ग्राफिक अर्टिकल से भर रहे हैं। दूसरे एपिसोड में जामताड़ा के ट्रक ड्राइवर और यूट्यूब स्टार राजेश रवानी को दिखाया गया है, जो II-33 के कांपंदी बांदी ढांबे में बदलाव लाते हैं। यह ढांबा, जो आराम करने के लिए है, इसकी बांदी लाते हैं। तीसरे एपिसोड में संतोष जाधव के बारे में बताया गया है, जिन्हें भारतीय किसान के रूप में जाना जाता है, वे सांगली के एक ऐसे यूट्यूबर हैं जो भारतीय किसानों को आधुनिक पद्धतियों से परिचित कराकर कृषि में क्रांति ला रहे हैं। यह एपिसोड में जामताड़ा के विद्यालय में कृषि उत्पादन वार्षिक आर्टिकल में तकनीक-प्रयोगी किसानों और योग्यार्थियों के बारे में अधिक जानकारी देता है। अंतिम एपिसोड में आंप्रे प्रदेश के ग्रामीण आर्टिकल लगे हुए हैं जो भारत की प्रगति में ट्रक ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका का आदर करते हैं। तीसरे एपिसोड में संतोष जाधव के बारे में बताया गया है, जिन्हें भारतीय किसान के रूप में जाना जाता है, वे सांगली के एक ऐसे यूट्यूबर हैं जो भारतीय किसानों को आधुनिक पद्धतियों से परिचित कराकर कृषि में क्रांति ला रहे हैं। यह एपिसोड में जामताड़ा के विद्यालय में कृषि उत्पादन वार्षिक आर्टिकल में तकनीक-प्रयोगी किसानों और योग्यार्थियों के बारे में अधिक जानकारी देता है। अंतिम एपिसोड में आंप्रे प्रदेश के ग्रामीण आर्टिकल लगे हुए हैं जो भारत की प्रगति में ट्रक ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका का आदर करते हैं। तीसरे एपिसोड में संतोष जाधव के बारे में बताया गया है, जिन्हें भारतीय किसान के रूप में जाना जाता है, वे सांगली के एक ऐसे यूट्यूबर हैं जो भारतीय किसानों को आधुनिक पद्धतियों से परिचित कराकर कृषि में क्रांति ला रहे हैं। यह एपिसोड में जामताड़ा के विद्यालय में कृषि उत्पादन वार्षिक आर्टिकल में तकनीक-प्रयोगी किसानों और योग्यार्थियों के बारे में अधिक जानकारी देता है। अंतिम एपिसोड में आंप्रे प्रदेश के ग्रामीण आर्टिकल लगे हुए हैं जो भारत की प्रगति में ट्रक ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका का आदर करते हैं। तीसरे एपिसोड में संतोष जाधव के बारे में बताया गया है, जिन्हें भारतीय किसान के रूप में जाना जाता है, वे सांगली के एक ऐसे यूट्यूबर हैं जो भारतीय किसानों को आधुनिक पद्धतियों से परिचित कराकर कृषि में क्रांति ला रहे हैं। यह एपिसोड में जामताड़ा के विद्यालय में कृषि उत्पादन वार्षिक आर्टिकल में तकनीक-प्रयोगी किसानों और योग्यार्थियों के बारे में अधिक जानकारी देता है। अंतिम एपिसोड में आंप्रे प्रदेश के ग्रामीण आर्टिकल लगे हुए हैं जो भारत की प्रगति में ट्रक ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका का आदर करते हैं। तीसरे एपिसोड में संतोष जाधव के बारे में बताया गया है, जिन्हें भारतीय किसान के रूप में जाना जाता है, वे सांगली के एक ऐसे यूट्यूबर हैं जो भारतीय किसानों को आधुनिक पद्धतियों से परिचित कराकर कृषि में क्रांति ला रहे हैं। यह एपिसोड में जामताड़ा के विद्यालय में कृषि उत्पादन वार्षिक आर्टिकल में तकनीक-प्रयोगी किसानों और योग्यार्थियों के बारे में अधिक जानकारी देता है। अंतिम एपिसोड में आंप्रे प्रदेश के ग्रामीण आर्टिकल लगे हुए हैं जो भारत की प्रगति में ट्रक ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका का आदर करते हैं। तीसरे एपिसोड में संतोष जाधव के बारे में बताया गया है, जिन्हें भारतीय किसान के रूप में जाना जाता है, वे सांगली के एक ऐसे यूट्यूबर हैं जो भारतीय किसानों को आधुनिक पद्धतियों से परिचित कराकर कृषि में क्रांति ला रहे हैं। यह एपिसोड में जामताड़ा के विद्यालय में कृषि उत्पादन वार्षिक आर्टिकल में तकनीक-प्रयोगी किसानों और योग्यार्थियों के बारे में अधिक जानकारी देता है। अंतिम एपिसोड में आंप्रे प्रदेश के ग्रामीण आर्टिकल लगे हुए हैं जो भारत की प्रगति में ट्रक ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका का आदर करते हैं। तीसरे एपिसोड में संतोष जाधव के बारे में बताया गया है, जिन्हें भारतीय किसान के रूप में जाना जाता है, वे सांगली के एक ऐसे यूट्यूबर हैं जो भारतीय किसानों को आधुनिक पद्धतियों से परिचित कराकर कृषि में क्रांति ला रहे हैं। यह एपिसोड में जामताड़ा के विद्यालय में कृषि उत्पादन वार्षिक आर्टिकल में तकनीक-प्रयोगी किसानों और योग्यार्थियों के बारे में अधिक जानकारी देता है। अंतिम एपिसोड में आंप्रे प्रदेश के ग्रामीण आर्टिकल लगे हुए हैं जो भारत की प्रगति में ट्रक ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका का आदर करते हैं। तीसरे एपिसोड में संतोष जाधव के बारे में बताया गया है, जिन्हें भारतीय किसान के रूप में जाना जाता है, वे सांगली के एक ऐसे यूट्यूबर हैं जो भारतीय किसानों को आधुनिक पद्धतियों से परिचित कराकर कृषि में क्रांति ला रहे हैं। यह एपिसोड में जामताड़ा के विद्यालय में कृषि उत्पादन वार्षिक आर्टिकल में तकनीक-प्रयोगी किसानों और योग्यार्थियों के बारे में अधिक जानकारी देता है। अंतिम एपिसोड में आंप्रे प्रदेश के ग्रामीण आर्टिकल लगे हुए हैं जो भारत की प्रगति में ट्रक ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका का आदर करते हैं। तीसरे एपिसोड में संतोष जाधव के बारे में बताया गया है, जिन्हें भारतीय किसान के रूप में जाना जाता है, वे सांगली के एक ऐसे यूट्यूबर हैं जो भारतीय किसानों को आधुनिक पद्धतियों से परिचित कराकर कृषि में क्रांति ला रहे हैं। यह एपिसोड में जामताड़ा के विद्यालय में कृषि उत्पादन वार्षिक आर्टिकल में तकनीक-प्रयोगी किसानों और योग्यार्थियों के बारे में अधिक जानकारी देता है। अंतिम एपिसोड में आंप्रे प्रदेश के ग्रामीण आर्टिकल लगे हुए हैं जो भारत की प्रगति में ट्रक ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका का आदर करते हैं। तीसरे एपिसोड में संतोष जाधव के बारे में बताया गया है, जिन्हें भारतीय किसान के रूप में जाना जाता है, वे सांगली के एक ऐसे यूट्यूबर हैं जो भारतीय किसानों को आधुनिक पद्धतियों से परिचित कराकर कृषि में क्रांति ला रहे हैं। यह एपिसोड में जामताड़ा के विद्यालय में कृषि उत्पादन वार्षिक आर्टिकल में तकनीक-प्रयोगी किसानों और योग्यार्थियों के बारे में अधिक जानकारी देता है। अंतिम एपिसोड में आंप्रे प्रदेश के ग्रामीण आर्टिकल लगे हुए हैं जो भारत की प्रगति में ट्रक ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका का आदर करते हैं। तीसरे एपिसोड में संतोष जाधव के बारे में बताया गया है, जिन्हें भारतीय किसान के रूप म

